पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश – अगस्त, 2020

1. **महीने के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:** अनुबंध I में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण आयोजित महत्वपूर्ण नीतिगत पहलू/ मामले:** शून्य

3. **सचिवों की समिति केनिर्णयों का अनुपालन:**

क्रम सं	अनुपालन के लिए लंबित सचिवों की समितिकेनिर्णयों की संख्या	प्रस्तावित कार्य योजना समय /सीमा	टिप्पणियां
1.	दिनांक 14/08/2014 क्रिल मछली पकड़ने काप्रस्ताव पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर क्रिल मछली पकड़ने में विभिन्न देशों के अनुभव का अध्ययन करेगा ताकि भारत उनके अनुभवों से सीख सके। विदेश मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से उन देशों की जांच और पहचान करेगा जिनके साथ भारत क्रिल मछली पकड़ने के लिए सहयोग कर सकता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने में भारतीय उद्योग के हितों का पता लगाएगा और विदेशी कंपनियों के साथ सीधे सहयोग करने वाली भारतीय कंपनियों की व्यवहार्यताका भी पता लगाएगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रावधानों के भाग के रूप में मसौदा कानून को अंतिम रूप देने से पहले अन्य सदस्य देशों द्वारा अधिनियमित कानूनों का अध्ययन करेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़नेसे संबंधित मांग विश्लेषण, वित्तीय व्यवहार्यता, उद्योग के हितों, अन्य देशों के अनुभवों, मछली पकड़ने के लाइसेंस के लिए मापदंड, मौजूदा ज्ञान की कमीआदि का विस्तृत ब्यौरा संबंधित दस्तावेज़ प्रस्तुत करेगा।इसके बाद, भारत वाणिज्यिक क्रिल मछली पकड़ने में संलग्न होगाया नहीं इसपर निर्णय लेने के लिए सचिवों की समिति कीपुन:बैठक होगी।	मंत्रालय ने क्रिल मछली पकड़ने के पहलू की जांच कर ली है। जापान और नॉर्वे ने विशेषज्ञता विकसित की है और इन देशों को क्रिल मछली पकड़ने मे सहयोग करने के लिए अस्थायी रूप से चिन्हित किया गया है। उनके अनुभव प्राप्त हुए हैं। क्रिल मछली पकड़ने के लिए भारतीय उद्योग से संपर्क किया गया है ताकि उनके हितों का पता लगाया जा सके। हालाँकि, अभी तक हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त हुई है।मसौदा पेपर तैयार किया गया है और कैबिनेट सचिवालय के सुझाव प्राप्त हुएहैं।	क्रिल मछली पकड़ने के लिए नॉर्वे के सहयोग के लिए नीति आयोगके माध्यम से प्रस्ताव भेजा गया है।

मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित अभियोजनके लिए स्वीकृति के मामले: शून्य

- **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार की स्थापित कार्य व्यवहारव्य- नियमों में छूट दी गयी है:** शून्य
- **ई- प्रशासन के कार्यान्वयन की स्थिति :** कार्यान्वित किया जा रहा है।
- **लोक शिकायतों की स्थिति:**

महीने के दौरान निबटायी गई लोक शिकायतों की संख्या	महीने के अंत में लंबित लोक शिकायतों की संख्या
17	13

8. **शासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय/विभाग द्वारा उठाए गए उपायों की सूचनाएं।**

सैटेलाइट द्वारा समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे व्युत्पन्न मापदंडों का उपयोग करके संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, शॉर्ट रेंज और मीडियम रेंज वेदर का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइटके डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

9. (i) मंत्रालय विभाग और उसके संगठनों के एसीसी के दायरे (मंत्रीमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति) में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा AVMS (ए.सी.सी. रिक्ति निगरानी प्रणाली) पर अद्यतन किया गया है: इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय / विभाग और उसके संगठनों के एसीसी के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्योरा AVMS पर अद्यतन किया गया है और ब्यौरा अनुबंध- II में दिया गया है।

(ii) एसीसी के निर्देशों के अनुपालन के बारे में स्थिति:इस बात की भी पुष्टि की जाती है कि एसीसी के निर्देशों का अनुपालन किया जाता है।

(iii) ऐसे मामलों की स्थिति, जहां PESB (सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड) से सिफारिशें प्राप्त हुई हैं, लेकिन प्रस्तावों को अभी भी एसीसी सचिवालय को प्रस्तुत किया जाना है:शून्य

*****

लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय औश्र प्रमुख उपलब्धियां :-

1. भारत में यूनेस्को-आईओसी (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, विज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन अंतर सरकारी महासागरीय आयोग) के सुनामी तैयारी कार्यक्रम पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा सुनामी आपदाओं हेतु तटीय समुदाय की तैयारी में सुधार के लिए शुरु किया गया है। इसे दो गांवों अर्थात् गंजम जिले में वेंकटरायपुर, जगत सिंगपुर जिले में नोलियासाही, उड़ीसा में कार्यान्वित किया गया है। हिंद महासागर क्षेत्र में सुनामी तैयारी कार्यक्रम को कार्यान्वित करने वाला भारत पहला देश है।

2. आईआईटीएस-पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान) और डब्ल्यूआरएलडीसी (पश्चिमी क्षेत्रीय भार प्रेषण केन्द्र), पीओएसओसी (विद्युत प्रणाली परिचालन निगम लि., भारत सरकार का उपक्रम, विद्युत मंत्रालय) के बीच मौसम पूर्वानुमान डाटा साझा करने के लिए 19 अगस्त, 2020 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) और गैर-प्रकटीकरण समझौता पर हस्ताक्षर हुए।

3. महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री ने मुंबई, थाणे सहित संपूर्ण कोंकण क्षेत्र में अत्यंत भारी वर्षा के संबंध में 3-6, अगस्त,2020 के दौरान आईएमडी द्वारा उपलब्ध कराई गई मौसम सेवाओं की सहारना की ।

कोविड 19 के कारण लाकडाउन के संबंध में सरकार द्वारा जारी किए गए सभी निर्देशों/ दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाता है।

कैबिनेट के समक्ष ऐसा कोई मामला लंबित नहीं था जिसमे कैबिनेट के निर्णय / अनुमोदन की आवश्यकता अपेक्षित हो।

न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन:

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता (पीपीपी) मोड के माध्यम से देश में एसएमएस और आईवीआर तकनीक के माध्यम से प्रयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट एडवाइजरी का प्रसारण जारी है। वर्तमान समय में, देश में 42.57 मिलियन किसानों को सीधे एसएमएस के माध्यम से परामर्शिकाएं प्राप्त हो रही हैं।
- विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्रभाव आधारित पूर्वानुमान (आईबीएफ) और बाढ़ दिशा निर्देश (आईएफएलओडब्ल्यूएस) शुरू किया गया था। और इसे बहुत प्रभावी पाया गया तथा इसका सराहना भी की गई।
- **वायुमंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क**

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक कितने प्रारंभ हुए	महीने के दौरान स्थापित	डेटा रिपोर्टिंग
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	322*	--	265
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	356**	--	320
GPS सोंदे आधारित RS / RW स्टेशन	56	--	54
डॉपलर मौसम रडार (DWR)	25***	--	22
ओजोन(ओजोन सोंदे+कुल ओजोन	04	--	04
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	07	--	07
नेफेलोमीटर	12	--	12
स्काई रेडिओमीटर	20	--	15
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (SAFAR)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	9 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)
हाइड्रोमेट (AWS और ARG को छोड़कर IMD और अतिरिक्त विभागीय	---	--	---
विमानन	79	--	79
रेडिरेशन स्टेशन	46	---	46

*कुल 722 मे से 400 पुराने है ।
**कुल 1356 में से 1000 पुराने हैं।
*** इसके अलावा,2 डॉपलर मौसम राडार इसरो के हैं।

14 अगस्त, 2020 को मुबंई हवाई अड्डे पर फ्रेंजीबल मस्तूल स्थापित किया गया और 17 अगस्त,2020 को गोवा हवाई अड्डे पर एचडब्ल्यूएसआर (उच्च वायुगति रिकार्डिंग) प्रणाली स्थापित किया गया।

मॉडलिंग

राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ) ने अगस्त, 2020 की प्रारंभिक स्थितियों के साथ एन.सी.एम.आर.डब्ल्यू.एफ युग्मित मॉडल से सितम्बर माह, 2020 से सितम्बर, अक्तूबर, नवम्बर 2020 मौसमी ऋतु के लिए मौसमी मानसून वर्षा पूर्वानुमान सृजित किया है पूर्वानुमान से पता चलता है कि सितम्बर 2020 के लिए वर्षा सामान्य से अधिक रही है।

29 जुलाई- 7 अगस्त, 2020 के दौरान राम मंदिर के अयोध्या भूमि पूजन के विशेष अवसर पर एनसीएमआरडब्ल्यूएफ ने आईएमडी को मॉडल आधारित स्थानीय मौसम पूर्वानुमान की जानकारी उपलब्ध करवाई है।

एनसीएमआरडब्ल्यूएफ ने प्रायोगिक आधार पर महाराष्ट्र में देवलाली के निकट आर्मी स्थल के लिए 72 घंटों के लिए क्षेत्रीय मॉडल (4 कि.मी. विभेदन पर) आधारित प्रतिघण्य पूर्वानुमान डाटा उपलब्ध कराना प्रारम्भ कर दिया है।

मासिक मौसम सार (अगस्त, 2020)

(क) माह के दौरान महत्वपूर्ण मौसम घटनाएं

निम्न दाब प्रणाली :- अगस्त, 2020 माह के दौरान 5 निम्न दबाव 4-10,9-11,13-18,19-26 और 24-31 बने जिसमें एक जो 9-11 के दौरान बना को छोड़ कर, चार पूर्वत: निम्नताकी सहायता पर पहुंच गये थे। सामान्यत- ये दवाब पश्चिम- उत्तर-पश्चिम की तरफ मुड़े और पूर्वी,मध्य, पश्चिम और पश्चिमोतर भारत में माह के दौरान बहुत सघन वर्षा हुई। इन दवाबों के कारण सघन वर्षा विशेषकर जो विगत दो दवाबों के कारण माह के दौरान उड़ीसा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान की नदियों में बाढ़ आई।

(ख) वर्षा परिदृश्य: अगस्त 2020 में का सम्पूर्ण देश के लिए वर्षा 327.0 मि.मि. दर्ज की गई जो कि इसकी औसत दीर्घावधि258.2 मि.मि. से 27% अधिक है। 1976 के बाद विगत 44 वर्षों में माह के लिए यह सबसे अधिक प्रतिशत का विचलन है और गत 120 ई वर्षों में चौथा सबसे बड़ा प्रतिशत रहा है। इस माह के लिए विगत 120 ई वर्षों में चौथा अधिकतम प्रतिशत प्रस्थान वर्ष 1926 में 33.1 प्रतिशत दर्ज किया गया था। दक्षिणी पश्चिमी मानसून ऋतु माह जून, जुलाई और अगस्त 2020 के लिए संचयी वर्षा 780.3 मी. थी जो इसकी औसत दीर्घावधि 710 मी.मी. से 10 प्रतिशत अधिक है।

(ग) भारी वर्षा की घटनाएं

कितने दिनों के लिए चेतावनी जारी की गई	भारी / बहुत भारी वर्षाकी घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): **409**
	वर्षा के लिए प्रतिशत सटीकता (%में)> 64.4 मिमी
दिन 1/24 घंटे	72%
दिन 2/48 घंटे	72%
दिन 3/72 घंटे	70%

(घ) तापमान परिदृश्य :- संपूर्ण देश के लिए महीने का औसत तापमान 28.14 ^{0}C था। यह सामान्य (मासिक सामान्य तापमान 27.55 तापमान से 10.59 ^{0}C तापमान अधिक था माह के दौरान देश के मैदानी भागों में 5 अगस्त, 2020 को जैसलमेर (प. राजस्थान) में अधिकतम 43.1 ^{0}Cतापमान रिकार्ड किया गया।

(ङ) गरजना और ओलावृष्टि गतिविधि :- माह के दौरान (31.08.2020 को 0830 आईएसटी) गरजना और ओलावृल्टि गतिविधि नीचे दिया गया है।

क्रम संख्या	**क्षेत्र**	**टीएस दिन**	**अधिकतम गरजना और ओलावृष्टि की तारीख**	**ओलावृष्टि की घटनाएँ**	**गरजना की घटनाएँ**
1.	दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत	28	01-08-20	शून्य	शून्य
2.	उत्तर पश्चिमी भारत	31	19-08-20	शून्य	शून्य
3.	पूर्वोत्तर भारत	31	06-08-20	शून्य	शून्य
4.	पूर्वी भारत	30	04-08-20	शून्य	02 (11/08/20 और 13/08/20को पोर्ट ब्लेयर)
5.	मध्य भारत	28	01-08-20	शून्य	शून्य
6.	पश्चिम भारत	03	--	शून्य	शून्य

नोट: उपर्युक्तसंवहनी घटनाओं का पूर्वानुमान लगाया गया था और इस घटना के घटित होने के बारे में 4-5 दिन पहले ही चेतावनी जारी की गई थी। इसके अलावा,अब संबंधित RMC/MC द्वारा इन घटनाओं के संबंध में तात्कालिक पूर्वानुमान भी जारी किये गये थे।

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनी /प्रेस विज्ञप्तियां :-

अखिल भारतीय मौसम बुलेटिन- 124 (प्रतिदिन चार बार जारी की जाती हैं), अखिल भारतीय अनुमान और प्रतिकूल मौसम चेतावनी - 124 (प्रतिदिन चार बार जारी की जाती हैं), प्रतिकूल मौसम के लिए तत्काल गाइडेस बुलेटिन-31, अखिल भारतीय साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट-4 (प्रति वीरवार जारी की जाती है) वर्तमान मौसम की स्थिति

और अगले दो सप्ताह के लिए आउटलुक-4 पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए प्रतिकूल मौसम चेतावनियों सहित पर्वत मौसम बुलेटिन-62, समुद्री मौसम बुलेटिन: 62 गोरीचेन पर्वत अभियान के लिए विशेष बुलेटिन-61, उतरी हिंद महासागर के लिए उष्णकटिबंधीय मौसम आउटलुक-31, प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम बुलेटिन-31 उतरी हिंद महासागर में चक्रवात से संबंधित विस्तारित रेंज आउटलुक-4 देश के विभिन्न भागों में सघन वर्षा घटना से संबंधित प्रेस विज्ञाप्ति-8 ।

प्रकाशन और परिचालन रिपोर्टें :-

(i) ईएनएसओ (अलनीनों-दक्षिणी दोलन) और अगस्त माह 2020 के लिए हिंद महासागर द्विध्रुवीय (आई.ओ.डी) बुलेटिन और अगस्त से नवम्बर माह, 2020 के लिए दक्षिणी एशिया मौसमी जलवायु आउटलुक जारी किया गया। (www.imdpune.gov.in/clim_pred_LRF_New/Products.html)

(ii) दैनिक अखिल भारतीय मौसम सारांश और साप्ताहिक मौसम रिपोर्टें नियमित आधार पर जारी किए जाते हैं।

(iii) चार (4) साप्ताहिक और संचयी मानक वर्षा सूचकांक (एसपीआई) मानचित्रों को 05,12,19 ओर 26 अगस्त, 2020 को समाप्त होने वाली सप्ताहों के लिए तैयार और भारत मौसम विज्ञान विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किया किया।

(iv) ग्रिडेड मानकीकृत वर्षा सूचकांक (SPI) और मानकीकृत वर्षा वाष्पोत्सर्जन सूचकांक (SPEI) 0.5 * 0.5 डिग्री विभेदन पर 4 साप्ताहिक 1,2,3 और 4 मासिक समय के पैमाने पर गणना की गई और उसी समय पैमाने के नक्शें IMD पुणे की वेबसाइट पर साप्ताहिक आधार पर अपलोड किए जा रहे हैं।

भू-विज्ञान अनुसंधान:

नौ कार्य समूहों सहित राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केंद्र (एनसीईएसएस) द्वारा समन्वित राष्ट्रीय नेटवर्क परियोजना 'मिशन एसजीडी (पनडुब्बी भू-जल निर्वहन)' ने भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटों सहित विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के लिए कार्यान्वयन का एक वर्ष पूर्ण कर लिया है। कन्या कुमारी से मालाप्पुरम तक उप सतह लियोलाजी के समझने और भूजल और समुद्री जल के बीच संबंध को समझने के लिए कुल 42 इलेक्ट्रिकल रिजिस्टीवीटी टोमोग्रामी (ईआरटी) सर्वेक्षण करवाए गए।

भूकंपीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	लक्ष्य	अब तक कितने प्रारंभ किए गए	महीने के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंपीय स्टेशन	115	115	102
जीपीएस स्टेशन	40	20#	18

40 में से 20 VST से जुड़े हैं, शेष 20 स्टैंडमोड में चल रहे हैं। अलोन-

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप;: भारतीय क्षेत्र में 123 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 4 की घटना 5.0 की तीव्रता (एम) से अधिक थी।

सुनामी **:** सुनामी उत्पन्न करने की क्षमता वाले 4 समुद्रतलीय भूकंप (एम>6) आए । इन दोनों घटनाओं के घटित होने के 12 मिनट से भी कम समय में जानकारी दी गई थी। भारतीय सुनामी चेतावनी केंद्र (आईटीईडब्ल्यूसी) ने क्रमश: निम्न भूकंपों का पता लगाया है- (i) 6.7 की तीव्रता पर लुजान, किलीविंस (प्रशांत महासागर) में 18 अगस्त, 2020 को 05:33 बजे ऑएसटी (0003 यूटीसी), (ii) दक्षिणी सुमाता इण्डोनेशिया (हिंद महासागार) में 19 अगस्त, 2020 को 03:59 बजे आईएसटी 6.5 और 6.9 की तीव्रता पर (18 अगस्त,2020 को 2223 और 2229 बजे यूटीसी) क्रमश: और (iii) बांदा समुद्र इण्डोनेशिया (हिंद महासागार) में 21 अगस्त, 2020 को 0939 बजे आईएसटी (0409 यूटीसी) पर 6.6 की तीव्रता से भूकंप आया और प्रत्येक भूकंप के लिए भारत और हिंद महासागार देशों को ''नो सुनामी थ्रेट'' बुलेटिन जारी किया।

समुद्रप्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफार्म का प्रकार	लक्ष्य	अगस्त, 2020 तक शुरु किए गए	अगस्त, 2020 के दौरान डेटा प्राप्त हुआ
अर्गो फ्लोट्स *	200	374	136
मूरेद बुआए	16	19	12
टाइड गेज	36	36	25
उच्च आवृत्ति एचएफ) रडार)	10	12	10
ध्वनिक डॉपलर वर्तमान प्रोफाइलर)ADCP)	20	20	18
सुनामी बुआए	7	7	3
वेव राइडर बॉय	23	16	9

शेष फ़्लोट्स/ड्रिफ्टर्स ने अपना जीवनकाल पूरा कर लिया इसलिए उनसे कोई डेटा प्राप्त नहीं किया जा सकता है ।

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

क्र.सं	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी परामर्शिकाओं की संख्या
1	इंटीग्रेटेड पोटेंशियल फिशिंग ज़ोन (PFZ) एडवाइज़री (सी सर्फेस टेम्परेचर (SST), क्लोरोफिल, विंड)।	28
2	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिका	20
2	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF) तरंग, पवनधारा, एसएसटी, MLD और D20 पूर्वानुमान	31
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	30
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

आउटरीच और जागरुकता

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान (आईआईटीएम) द्वारा एक पहल के रूप में एमओईएस और इसके संस्थानों के सहयोग से ''पृथ्वी विज्ञान लोकप्रिय व्याख्यान'' पर वेबिनार सीरीज आयोजित की गई। माह अगस्त, 2020 में एमओईएस संस्थानों द्वारा कुल 7 वार्ताए दी गई।

31 अगस्त, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय परिचालन समुद्र विज्ञान प्रशिक्षण केंद्र (आईटीसी) छत्तक के तहत ''डिस्वरी एण्ड यूज ऑफ आपरेशनल ओशन डाटा उत्पाद और सर्विसेज'' शीर्षक पर एक सप्ताह का आनलाइन प्रशिक्षण सत्र शुरू किया गया।

यह प्रशिक्षण सत्र 31 अगस्त, 04 सितम्बर, 2020 को इंकॉइस में आयोजित किया गया था। इस पांच दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में तेरह (13) हिंद महासागर रिम देशों के कुल एक सौ एक (101) विद्यार्थियों ने भाग लिया।

10 अगस्त, 2020 को माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में डीजीएम (मौसम विज्ञान महानिदेशक) ने देश में बाढ़ और बाढ़ प्रबंधन की स्थिति के संबंध में वीडियो कानफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की बैठक माननीय प्रधानमंत्री ने बाढ़ के लिए चेतावनी देने के लिए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ओर केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के संयुक्त प्रयास की सराहना की।

डीजीएम ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री के समक्ष 27 अगस्त को मानसून 2020 की स्थिति, अगले 1माह के लिए पूर्वानुमान और बाढ़ की स्थिति के संबंध में प्रस्तुति दी।

प्रकाशन

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल-जुलाई 2020	अगस्त, 2020	कुल	अप्रैल-जुलाई, 2020	अगस्त, 2020	कुल
एट्मोस्फेरिक साइंसेज	82	20	102	4	-	4
ओशन साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी	68	4	72	-	-	-
पोलर साइंसेज	15	5	20	1	-	1
जिओसाइंसेज एण्ड रिसोर्सेज	7	6	13	-	-	-
कुल	172	35	207	5	-	5

माह के दौरान महासागर अनुसंधान पोत का उपयोग

जलपोत	सागर पर दिन /उपयोग	रखरखाव निरीक्षण / वैज्ञानिक रसद / क्रूज तैयारी /	क्रूज की संख्या
सागर निधि	8	23(कोरोना लाकडाउन)	1
सागर मंजुशा	0	31(कोरोना लाकडाउन)	0
सागर तारा	0	31(कोरोना लाकडाउन)	0
सागर अन्वेशिका	13	18(कोरोना लाकडाउन)	1
सागर कन्या	0	31 कोरोना लाकडाउन)	0
सागर सम्पदा	0	31(कोरोना लाकडाउन)	0

अनुबंध-**II**

सं.एमओईएस/20/01/2017-स्था.

भारत सरकार

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लाधी रोड

नई दिल्ली-110003

दिनांक: सितम्बर, 2020

प्रमाण पत्र

(अगस्त, **2020** माह के लिए)

यह प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबधित सभी पदों की विस्तृत स्थिति को अगस्त, 2020 माह के अन्तिम दिन एवीएमएस पर अद्यित किया गया है। स्थिति का सारांश इस प्रकार है:

(क)	एवीएमएस में पदों की कुल संख्या	-13
(ख)	आज की तारीख तक भरे गए पदों की संख्या	-12
(ग)	आज की तारीख तक कुल रिक्त पदों की संख्या	-01
(घ)	अतिरिक्त प्रभार वाले पदों की संख्या	-02
(ड़)	अगले छ: माह के दौरान रिक्त रहने वाले पद	-01

(डॉ.विपिन चन्द्र)

सयुक्त सचिव

js@moes.gov.in

****